श्रावण मास, कृष्ण पक्ष 1 वर्ष, अंक 60, पृष्ठ 4, मूल्य 1.00

अखण्ड भारत सन्देश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज सोमवार, 5 अक्टूबर, 2020

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान की एक अनुपम भेंट

देश के विकास में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का इस्तेमाल करेगी सरकार, पीएम आज करेंगे सम्मेलन का उद्घाटन

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली। देश के समग्र विकास खासकर सामाजिक क्षेत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआइ) के इस्तेमाल पर सरकार खासा जोर देने जा रही है। इस दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को होने जा रहे सम्मेलन- रेज 2020 (रिस्पांस्बिल एआइ फॉर सोशल इंपावरमेंट) का उद्घाटन करेंगे। इस सम्मेलन का आयोजन इलेक्ट्रॉनिक्स, आइटी मंत्रालय एवं नीति आयोग मिलकर कर रहे हैं जिसमें विभिन्न देशों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। वर्चुअल तरीके से होने वाले इस सम्मेलन का आयोजन पांच से-नौ अक्टूबर तक किया जाएगा।

सरकार मुख्य रूप से स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा एवं स्मार्ट मोबिलिटी जैसे क्षेत्रों में एआइ के योगदान को बढ़ाना चाहती है। सरकार चाहती है कि भारत एआइ के क्षेत्र में विश्व का नेतृत्व करे, इसलिए सामाजिक क्षेत्रों के विकास में एआइ के इस्तेमाल का मॉडल भारत विश्व के सामने पेश करना चाहता है। सम्मेलन के दौरान कोरोना महामारी से बचने के लिए एआइ के इस्तेमाल पर भी चर्चा की जाएगी।

भारत में नीति आयोग ने 2019 में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए संस्थागत तरीके से काम करना शुरू किया है। इस साल जून में इलेक्ट्रॉनिक्स, आइटी मंत्रालय के लाइव हो गया है। आंकड़ों की बात करें तो 2018 में भारत का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का खर्च 109.6% बढ़ कर 665 मिलियन डॉलर हो गया है।

2019-2025 तक भारत 39% कंपाउंड एन्युअल ग्रोथ (CAGR) दर्ज करते हुए आर्टिफिशियल इंटेलिजें पर 11,781 मिलियन डॉलर सस्पेंड करेगा। अगर प्राइवेट इंडस्ट्रीज की बात करें तो गूगल ने भारत में डिजिटाइजेशन के लिए 10 बिलियन डॉलर का फंड दिया है। वहीं, फेसबुक 5.7 बिलियन डॉलर खर्च में इन्वेस्ट कर रहा है। भारत में इन दिनों चालीस लाख सॉफ्टवेयर डेवलपर्स हैं और 2024 तक हम विश्व के सबसे ज्यादा सॉफ्टवेयर डेवलपर्स वाले देश हो जाएंगे। अक एडॉप्ट कर इस पर काम करने वाले डेवलपर्स की संख्या बहुत तेजी से बढ़ी है।

हैदराबाद हवाई अड्डे से करोड़ों का सोना बरामद, मुंबई और जयपुर से लाई जा रही थी खेप

हैदराबाद, प्रेट्र। हैदराबाद हवाई अड्डे से रविवार को बिस्किट और आभूषणों के रूप में कई किलोग्राम सोना बरामद किया गया है। इसकी कीमत 6.62 करोड़ रुपये बताई गई है। कस्टम विभाग ने खुफिया जानकारी के आधार पर यह कार्रवाई की। बताया गया है कि सोने की इस खेप को मुंबई और जयपुर से यहां लाया गया है। एयरपोर्ट के कार्गो टर्मिनल में सामान की जांच के दौरान सोने की यह खेप बरामद की गई। इस खेप में प्राचीन सिक्कों के साथ ही कई तरह के रत्न भी बरामद किए गए हैं। इस मामले में किसी की भी गिरफ्तारी नहीं की जा सकी है। कस्टम विभाग ने बताया कि इसे यहां गैरकानूनी ढंग से लाया गया है। चेन्नई हवाई अड्डे से विगत दो दिनों में 39.56 लाख रुपये के सोने के बिस्किट और चेन को बरामद किया गया है। इसे दुबई से आए चार यात्रियों के पास से बरामद किया गया। यह जानकारी कस्टम विभाग ने रविवार को दी। अधिकारियों ने कहा कि शनिवार को दो लोगों को पकड़ा गया, जबकि दूसरे दिन दो और लोगों को पकड़ा गया।

देश में लगातार 13 दिनों से कोरोना के सक्रिय मामले 10 लाख से नीचे

नई दिल्ली, जेएनएन। कोरोना महामारी के खिलाफ लड़ाई में कुछ सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं। पिछले 13 दिनों से लगातार सक्रिय मामले 10 लाख से कम बने हुए हैं। रविवार को तो सक्रिय मामलों की संख्या साढ़े नौ लाख से भी कम हो गई। कुल मामलों के 14.32 फीसद सक्रिय केस रह गए हैं। नए मामलों से अधिक संख्या में मरीज ठीक भी हो रहे हैं। अब तक 55 लाख से अधिक लोग ठीक हो चुके हैं और मरीजों के स्वस्थ होने की दर बढ़कर 84.13 फीसद हो गई है। ये आंकड़ें इसलिए भी सुकून देते हैं, क्योंकि रोजना 10 लाख से अधिक नमूनों की जांच भी हो रही है।

समाचार एजेंसियों की तरफ से रविवार रात 11 बजे तक मिले आंकड़ों के मुताबिक शनिवार देर रात से अब तक 76,504 नए मामले मिले हैं और 83,099 मरीज ठीक हुए हैं। इसके साथ ही कुल संक्रमितों का आंकड़ा 66.15 लाख और ठीक हुए मरीजों का आंकड़ा 55.75 लाख पर पहुंच गया है। इस दौरान 906 लोगों की मौत हुई है और मरने वालों की संख्या एक लाख दो हजार 621 हो गई है। सक्रिय मामले 9.37 लाख रह गए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक कुल संक्रमित 65.49 लाख, स्वस्थ हो चुके मरीज 55.09 लाख और मृतकों की संख्या एक लाख एक हजार है। मृत्युदर घटकर 1.55 फीसद पर आ गई है।

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के मुताबिक शनिवार को 11 लाख 42 हजार 131 नमूनों की जांच की गई। पिछले चार दिनों से रोज 10 लाख से अधिक नमूनों का परीक्षण किया जा रहा है, जबकि इस दौरान छुट्टियां भी रही हैं। कोरोना संक्रमण का पता लगाने के लिए अब तक देशभर में सात करोड़ 89 लाख 92 हजार 534 सैंपल्स टेस्ट किए जा चुके हैं।

महाराष्ट्र में लगातार नए मामले कम हो रहे हैं। राज्य में 13,702 नए केस मिले हैं और संक्रमितों का आंकड़ा 14.43 लाख हो गया है। 326 लोगों की मौत हुई है। राज्य में अब तक 38,084 लोगों की जान जा चुकी है। गुजरात में 1302 नए मामलों के साथ 1.42 लाख संक्रमित हो गए हैं। राज्य में मरने वालों की संख्या लंबे समय बाद 10 के नीचे आई है। नौ लोगों की मौत हुई है और मरने वालों की कुल संख्या 3,499 हो गई है।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में हालात में सुधार नजर आ रहा है। लगातार नए मामले घट रहे हैं। हालांकि, संक्रमितों की संख्या 2.90 लाख हो गई है, जिसमें 2,683 नए मामले भी शामिल हैं। 38 लोगों की मौत के साथ मृतकों का आंकड़ा 5,510 पर पहुंच गया है। ओडिशा में 3,326 नए केस मिले हैं और 15 लोगों की मौत हुई है। कुल मामले 2.32 लाख और कुल मौतें 907 हो गई हैं। त्रिपुरा में 322 नए केस के साथ कुल केस 26 हजार से अधिक हो गए हैं और चार लोगों की मौत भी हुई है। अंडमान व निकोबार द्वीप समूह में 10 नए मामलों के साथ कुल मामले 3,869 हो गए हैं।

दक्षिण भारत में महामारी का प्रकोप बना हुआ है, हालांकि कर्नाटक और केरल को छोड़कर बाकी राज्यों में नए मामलों में कुछ कमी आ रही है। कर्नाटक में 10,145 नए मामले मिले हैं और कुल संक्रमित 6.40 लाख हो गए हैं। केरल में 8,553 नए केस मिले हैं और कुल संक्रमित 2.28 लाख, आंध्र प्रदेश में 6,242 नए केस के साथ कुल संक्रमित 7.19 लाख, तमिलनाडु में 5489 नए मामलों के साथ कुल 6.19 लाख, तेलंगाना में 1,949 नए मामलों के साथ करीब दो लाख और पुडुचेरी में 343 नए मामलों के साथ करीब 30 हजार संक्रमित मिल चुके हैं। कर्नाटक में और 67 (9,286), तमिलनाडु में 66 (9,784), आंध्र प्रदेश में 40 (कुल 5,981), केरल में 23 (836), तेलंगाना में 10 (1,163) और पुडुचेरी में पांच (539) लोगों की मौत भी हुई है।

सीबीआई ने अपने पूर्व अधिकारी समेत छह के खिलाफ दर्ज किया केस, एक मामले की जांच प्रभावित करने के आरोप

नई दिल्ली, एएनआइ। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने रविवार को 25 लाख की कथित घूसखोरी के आरोप में सीबीआई के एक पूर्व अधिकारी समेत छह आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया। एजेंसी के मुताबिक, आरोप है कि इन लोगों ने एक मामले की चल रही जांच को प्रभावित करने की साजिश रची। एजेंसी ने अपने बयान में कहा कि अभियुक्तों ने एक मामले में जारी जांच को प्रभावित करने के लिए चार्टर्ड अकाउंटेंट के जरिए आरोपी व्यक्ति की कंपनी से 50 लाख रुपए की मांग की।

इसके बाद सीबीआई ने जाल बिछाया और इस मामले की पूरी छानबीन की। मामले में कंपनी के चार्टर्ड अकाउंटेंट और पूर्व अधिकारी को कथित रूप से उनके बीच 25 लाख रुपये के लेन-देन के लिए गिरफ्तार किया गया था। समाचार एजेंसी एएनआइ की रिपोर्ट के मुताबिक, कथित रिश्वत की रकम पूर्व अधिकारी के आवास से बरामद की गई थी। मामले में आगे की छानबीन जारी है। फिलहाल कंपनी के नाम का खुलासा नहीं किया गया है। बीते दिनों अभियुक्तों के परिसरों और दिल्ली-एनसीआर, रांची समेत आठ स्थानों पर छापेमारी हुई थी।

केंद्रीय जांच एजेंसी को छानबीन में गुप्त दस्तावेजों और नकदी की बरामदगी हुई थी। शनिवार को आरोपियों को दिल्ली की विशेष अदालत में पेश किया गया जहां से उन्हें नौ अक्तूबत तक की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। उधर, दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के परिवार के वकील विकास सिंह ने कहा कि वह एम्स की सीबीआइ को सौंपी रिपोर्ट को लेकर क्षुब्ध हैं। वह केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआइ के प्रमुख से अपील करेंगे कि वह इस मामले में एक नई फौरेंसिक टीम का गठन करें। बता दें कि एम्स के मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट में सुशांत की हत्या की आशंका को खारिज कर दिया गया है।

सुशांत सिंह राजपूत की मौत मामले में सीबीआइ से होगी नई फॉरेंसिक टीम के गठन की अपील

नई दिल्ली, प्रेट्र। दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के परिवार के वकील विकास सिंह ने कहा कि वह एम्स की सीबीआइ को सौंपी अपनी चिकित्सकीय-वैधानिक रिपोर्ट को लेकर बेहद क्षुब्ध हैं। वह केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआइ के प्रमुख से अपील करेंगे कि वह इस मामले में एक नई फोरेंसिक टीम का गठन करें। एम्स के मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट में सुशांत की हत्या की आशंका को खारिज किए जाने से नाराज वरिष्ठ वकील विकास सिंह ने रविवार को कहा कि अभिनेता के शव के बगैर ही विशेषज्ञों की टीम एक निर्णायक राय कैसे दे सकती है। एम्स की रिपोर्ट पर खासी तल्खी जताते हुए उन्होंने कहा कि वह सीबीआइ के निदेशक से एक नई फोरेंसिक टीम बनाने की अपील करने जा रहे हैं।

उन्होंने ट्वीट किया कि एम्स की टीम भला बिना शव के कैसे कोई निर्णायक रिपोर्ट दे सकती है, जबकि उनकी इस रिपोर्ट का आधार मुंबई के कूपर अस्पताल में बेहद घटिया तरीके से बनाई गई पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट पर आधारित है। इस रिपोर्ट में सुशांत की मौत का समय तक नहीं बताया गया था। उल्लेखनीय है कि विगत शनिवार को एम्स के मेडिकल बोर्ड की फोरेंसिक टीम के प्रमुख डॉ. सुधीर गुप्ता ने कहा कि उनकी रिपोर्ट में अभिनेता सुशांत की हत्या की आशंका से इनकार किया गया है। साथ ही उनकी मौत का कारण फांसी लगाना और खुदकुशी बताया गया है।

सीबीआइ की मदद के लिए गठित की गई इस छह सदस्यीय एम्स की फोरेंसिक टीम ने सुशांत को जहर दिए जाने या गला घोटे जाने के सभी दावों को खारिज करते हुए कहा कि उनके विसरा में जहर या ड्रग के कोई अंश नहीं मिले हैं। डॉ. गुप्ता ने कहा कि इस विषय में एक निर्णायक रिपोर्ट सीबीआइ को सौंप दी गई है। उन्होंने यह भी दावा किया कि सुशांत के शरीर पर उनके गले के अलावा चोट के और कोई निशान नहीं थे।

भारत में यूनिसेफ ने कहा, पोषण अभियान को कोरोना से पहले के स्तर पर लाना है जरूरी

नई दिल्ली, प्रेट्र। भारत में यूनिसेफ (UNICEF) ने कहा है कि राष्ट्रीय पोषण मिशन को कोरोना वायरस महामारी से पहले के स्तर यानी जनवरी जैसे वापस लाने की जरूरत है। भारत में यूनिसेफ (पोषण) के प्रमुख अर्जन डे वाग्ट ने कहा कि पोषण अभियान के तहत कार्यक्रम जैसे कि समेकित बाल विकास सेवा (ICDS) का कार्यान्वयन, घर पर राशन ले जाना और खून की कमी (एनीमिया) को रोकने के लिए गर्भवती महिलाओं और बच्चों को आयरन फोलिक टैबलेट देना आदि, पूरी तरह से लागू करने की आवश्यकता है। वाग्ट ने बताया, 'हमें पोषण अभियान उसी स्तर पर वापस लाने की जरूरत है जहां हम जनवरी (कोविड समय से पहले) में थे। इसे किसी अलग कवायद की आवश्यकता नहीं है। हमें समान कार्यक्रमों की आवश्यकता है।'

उन्होंने कहा, 'कई मामलों में, हमें समायोजित करने की आवश्यकता है। उदाहरण के लिए, चूंकि स्कूल बंद हैं, बच्चों को वह भोजन प्राप्त करने की आवश्यकता है जो वे स्कूलों में प्राप्त करते थे। इसलिए, हमें अन्य तरीकों की तलाश करने की आवश्यकता है जैसे कि घर-घर राशन ले जाना।' उन्होंने कहा, 'हर घर पर जाने की जरूरत है। स्कूलों में किशोरियों को दी जाने वाली आयरन फोलिक टैबलेट, उन लोगों को दी जा सकती है जिन्हें समुदायों के माध्यम से इसकी आवश्यकता होती है।' वाग्ट ने कहा कि भारत में कोरोना वायरस पोषण को तीन तरीकों से प्रभावित करता है। पहला रोजगार खोने वाले लोगों के साथ गरीबी बढ़ रही है। गरीबी से खाद्य असुरक्षा होती है। दूसरा यह है कि सेवाओं को कैसे प्रभावित किया गया और तीसरा यह है कि पोषण पर ध्यान देने के मामले में इस समय नेतृत्व कैसे प्रभावित हुआ। पूर्व में, पोषण पखवाड़ा और पोषण माह, समुदायों में बड़ी संख्या में लोगों को एक साथ लाने के लिए एक महत्वपूर्ण घटक था। लोगों को अच्छे पोषण के बारे में शिक्षित करने के लिए सामूहिक कार्यक्रम होते थे लेकिन कोरोना वायरस संक्रमण के कारण पिछले चार सप्ताह से इस तरह के कार्यक्रम नहीं देखने को मिले हैं।

चीन को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए संयुक्त रूप से तैयार हैं सेना और वायुसेना

नई दिल्ली, एएनआइ। दोनों देशों के तनाव के बीच पूर्वी लद्दाख में भारत पूरी तरह से किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। लद्दाख सेक्टर में इंडियन आर्मी और वायुसेना दिन रात दुश्मनों पर चौकस नजर रखे हुए हैं। दोनों सेनाएं विपरीत चीनी सेना के खिलाफ संयुक्त रूप से युद्ध लड़ने की तैयारी कर रही हैं। लेह हवाई क्षेत्र में भारतीय वायुसेना ने C-17२, Ilyushi-76२ और C-130ख सुपर हरक्यूलिस विमान तैनात कर रखे हैं। दोनों देशों के तनाव के बीच लगातार ये लड़ाकू विमान उड़ान भर कर दिन रात गश्त कर रहे हैं। तैनात सैनिकों के लिए राशन आपूर्ति भी कर रहे हैं।

लद्दाख क्षेत्र में तैनात एक वरिष्ठ वायुसेना कमांडर ने समाचार एजेंसी एएनआइ से बात करते हुए कहा कि वायुसेना मुख्यालय द्वारा साफ निर्देश दिए गए हैं कि सेना और अन्य सुरक्षा बलों द्वारा जो भी आवश्यकताएं है वो पूरी की जाएंगी। फार्वर्ड एरिया में तैनात सेना के एक अधिकारी ने कहा कि इन दिनों रक्षा कर्मचारियों के प्रमुख जनरल बिपिन रावत और दोनों सेवाओं के प्रमुख अक्सर चर्चा करते हैं और चीनी सेना के खिलाफ कार्रवाई की योजना बनाते हैं, जो क्षेत्र स्तर पर भी मदद कर रही है। दो सेनाएं संयुक्त रूप से काम कर रही हैं। समाचार एजेंसी एनआइ के अनुसार एलएसी के पास सेना के टैंक युद्धाभ्यास के लिए पहुँचे हुए हैं। इसके साथ ही वहाँ वायु सेना के चिनूक और Mi-17V5s हेलीकॉप्टरों को एक उन्नत लैंडिंग ग्राउंड (ALG) की ओर लगातार उड़ान भर रहे हैं। हेलिकॉप्टरों की लिफ्ट क्षमता के लिए धन्यवाद देते हुए 14 कोर के चीफ ऑफ स्टाफ मेजर जनरल अरविंद कपूर ने समाचार एजेंसी एएनआइ को बताया कि हम कंटेनर के निवास स्थान को ऊपर उठाने और स्थानांतरित करने की स्थिति में हैं। इसके साथ ही चिनूक और अपाचे हेलीकॉप्टर सहित भारतीय वायुसेना के नए अधिग्रहण भी चीन के साथ चल रहे संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

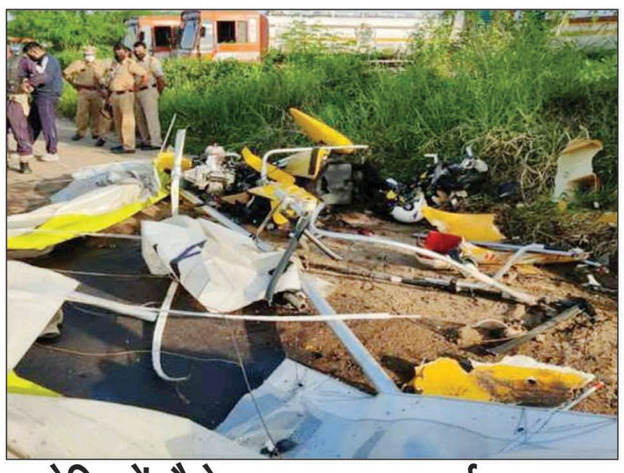

कोच्चि में नौसेना का ग्लाइडर दुर्घटनाग्रस्त हादसे में दो अधिकारियों की मौत

कोच्चि, पीटीआइ। कोच्चि में ग्लाइडर के दुर्घटनाग्रस्त होने से नौसेना के दो अधिकारियों की मौत हो गई है। रक्षा प्रवक्ता के मुताबिक रविवार को नेवी के दोनों कर्मी प्रशिक्षण के लिए आईएनएस गरुड़ से रवाना हुए थे। सुबह करीब 7 बजे नौसैनिक अड्डे के करीब थोप्पुमडी पुल के पास ग्लाइडर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दक्षिणी नौसेना कमान द्वारा घटना की जांच के आदेश दिए गए हैं। ग्लाइडर से उड़ान भरने वाले दोनों अधिकारियों की पहचान लेफ्टिनेंट राजीव झा और पेटी अधिकारी सुनील कुमार के रूप में हुई है। दुर्घटना के बाद दोनों को आइएनएचएस संजीवनी में ले जाया गया, जहां बाद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मध्य प्रदेश के किसान नेता डीपी धाकड़ ने कृषि कानूनों के खिलाफ खटखटाया SC का दरवाजा

नई दिल्ली, एएनआइ। कई राजनेताओं ने कृषि क्षेत्र सुधार कानूनों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाले सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे खटखटाए, इसी कड़ी में अब एक और नाम जुड़ दया है और वो है मध्य प्रदेश के किसान नेता डीपी धाकड़ ने भी अधिनियमों के खिलाफ शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया है। याचिका में कहा गया कि मूल्य आश्वासन और फार्म सेवा अधिनियम, 2020 के किसान (सशक्तीकरण और संरक्षण) समझौते, किसानों का उत्पादन व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सुविधा) अधिनियम, 2020, और आवश्यक वस्तु (संशोधन) अधिनियम 2020, भेदभावपूर्ण और प्रकट रूप से मनमाना और बड़े कॉपोर्रेटों द्वारा सीमांत किसानों का शोषण का करेगा।

अधिनियमों को राज्य सरकारों के विधायी क्षेत्र में आक्रमण करने का एक प्रयास कहा गया है। अधिनियमों को बड़े हंगामे के बीच पारित किया गया था। आगे कहा कि इसका भारतीय गणराज्य के संघवाद पर एक विनाशकारी प्रभाव होगा, इसलिए दलील में कहा गया, असंवैधानिक, अवैध और शून्य के रूप में मारा जा सकता है। कृषि क्षेत्र देश में लगभग आधे कर्मचारियों को रोजगार देता है। मध्य पारदेश राज्य जो अपने बड़े क्षेत्र के साथ देश के केंद्र में है, विविध जलवायु और मिट्टी की स्थिति में कृषि उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए उपयुक्त है। मध्यप्रदेश में कृषि क्षेत्र अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। संसद ने हाल ही में तीन बिलों को पारित किया है जो 27 सितंबर से लागू हो गए हैं जब राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने अपनी सहमति दी थी। इससे पहले, राज्यसभा के सदस्य थे। जनता दल (राजद) के अध्यक्ष मनोज झा, केरल से कांग्रेस के सांसद टीएन प्रतापन और द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के तमिलनाडु के सांसद तिरूचि शिवा ने किसान अधिनियमों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।

ग्रामीण अंचल

प्रयागराज सोमवार, 5 अक्टूबर, 2020

संक्षेप समाचार

'दिव्य कुम्भ, भव्य कुम्भ' पर तीन दिवसीय छायाचित्र प्रदर्शनी 12 से

प्रयागराज। हरिश्याम मानव कल्याण शिक्षा एवं शोध संस्थान के बैनरतले दिव्य कुम्भ, भव्य कुम्भ पर तीन दिवसीय छायाचित्र प्रदर्शनी 12 अक्टूबर से उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र प्रयागराज में आयोजित है। उक्त जानकारी समिति के सचिव राजीव कुमार मिश्रा ने देते हुए बताया है कि केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा 2019 में सम्पन्न कराये गये प्रयागराज कुम्भ के सफलता की चर्चा विश्व पटल पर हुई। कुम्भ की सफलता को जन-जन तक पहुंचाने के लिए तीन दिवसीय छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। जिसमें 12 अक्टूबर को कार्यक्रम की अध्यक्षता ओम नमः शिवाय के गुरूदेव करेंगे तथा मुख्य अतिथि जिलाधिकारी भानु चन्द्र गोस्वामी एवं विशिष्ट अतिथि किन्नर अखाड़ा प्रयागराज की महामंडलेश्वर कौशल्यानंद गिरी व केन्द्र के निदेशक इन्द्रजीत ग्रोवर होंगे। 13 अक्टूबर को मुख्य अतिथि पुलिस महानिरीक्षक जोन प्रयागराज के.पी सिंह, अध्यक्षता क्रिया योग अनुसंधान की महासचिव डॉ राधासत्यम आदि हैं।

चोरी के लाखों रुपए के सामान सहित चार चोर गिरफ्तार

होलागढ़। होलागढ़ क्षेत्र के रामदासपुर स्तिथ नहर के समीप एक हार्डवेयर की दुकान में लगभग दस दिन पहले रात में सेंध लगाकर लाखो का माल पार कर दिया गया था। जिससे दुकानदार राज कुमार केसरवानी ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कराया था। पुलिस लगातार मामले के छानबीन में जुट गयी थी। जिसपर शनिवार देर शाम को लाखो का सामान सहित चार चोर को गिरफ्तार कर लिया व एक चोर फरार हो गया।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक होलागढ़ थाना क्षेत्र के रामदासपुर स्तिथ नहर के समीप एक हार्डवेयर की दुकान में लगभग दस दिन पहले रात में लाखो का समान सेंध लगाकर चोरी की गयी थी। पुलिस ने दुकानदार राजकुमार केसरवानी के तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दिया था । जिसपर शनिवार देर शाम को मुखबिर की सूचना पर नबावगंज थाना क्षेत्र रावा गांव निवासी चंदन कश्यप के घर पर पुलिस दबिश देकर लाखो का माल बरामद करते हुए चार लोगो को गिरफ्तार किया व एक चोर भागने में सफल रहा। पुलिस के कर्रा करने पर चंदन ने बताया कि हम लोग चोरी के सामान में से कुछ सामान लालगोपालगंज के एक हार्डवेयर की दुकान पर बेचा हू व बचे हुए सामान को भी बेचने की फिराक में थे कि तभी पुलिस के द्वारा दबिश पड़ गयी । पुलिस के पूछताछ में चोरो ने अपना नाम चंदन कश्यप व मंजीत कश्यप पुत्रगण रामू कश्यप निवासी रावा, दिलीप पुत्र राम लखन निवासी रामदासपुर, सूबेदार सरोज पुत्र मगरूराम निवासी लीला का पूरा, बताया। तथा अरुण मौर्या पुत्र स्व. अमरनाथ मौर्या निवासी रामदासपुर फरार है। होलागढ़ इंस्पेक्टर तरकेश्वर रॉय ने बताया कि दस दिन पहले हुई चोरी के बाद पुलिस की टीम लगातार खुलासा करने के प्रयास के बाद सफलता मिली। गिरफ्तार करने वाली टीम में इंस्पेक्टर तारकेश्वर रॉय, एसआई रमेश कुमार, एसआई राघवेंद्र कुमार पाण्डेय, सिपाही शिव जी रॉय, सुभाष यादव, अवधेश कुमार, रामबाबू, रजनीश यादव रहे ।

बरामद चोरी के सामान संग चोर

पुलिस टीम पर हमला करने वाले दो आरोपित गिरफ्तार भेजा जेल

घूरपुर। विगत मई माह की दस तारीख की रात अवैध खनन की सूचना पर जांच करने गई पुलिस टीम पर हमला करने के दो आरोपियों को पुलिस रविवार के दिन पकड़ कर जेल भेज दिया ।आरोपियों के पकड़े जाने की सूचना से अन्य फरार आरोपियों में हड़कम्प मचा हुआ है ।

घूरपुर के कंजासा गांव के यमुना घाट पर अवैध बालू खनन की सूचना पर 10 मई की रात घूरपुर पुलिस टीम जांच करने गई थी ।इसी बीच बालू माफियाओं धावा बोलकर पुलिस टीम पर हमला कर दिया था ।जिसमे कई पुलिस कर्मियों को चोटें भी आई थी और पुलिस की सरकारी जीप भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई थी ।जिस मामले पुलिस ने ग्यारह बालू माफियाओं को नामजद करते हुए सौ अज्ञात लोगों के खिलाफ पुलिस ने संगीन धाराओं में केस दर्ज किया था ।जिसमे एक महिला समेत दो को घटना के कुछ दिन बाद ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था ।इसी क्रम में रविवार के दिन पुलिस ने दो आरोपियों दिनेश कुमार निषाद उर्फ गुलशन व रमेश कुमार निषाद निवासी कंजासा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया ।

पुलिस के कब्जे पुलिस के दो हमलावर

सड़क हादसे में मौत के बाद इकलौते बेटे का शव देख मां हुई बेहोश

सिरसा। मेजा क्षेत्र हादसे में मौत के बाद घर पहुंचा इकलौते बेटे का शव देख माँ उर्मिला बेहोश हो गई। पत्नी और बहन दहाड़ मारकर रोने लगी। मिली जानकारी के अनुसार त्रिमूर्ति अस्पताल मेजा के मालिक डॉ आंशिक सिंह उर्फ भोलू सिंह (28) का कटनी के पास सड़क हादसे में मौत हो गई। मृतक मेजा से 26 सितम्बर को ही कटनी अपनी बुआ के घर गए थे। 28 सितम्बर को bhms की परीक्षा दिया था। 3 अक्टूबर को घर के लिए अपनी बुआ के लड़के के साथ वाहन से बस अड्डा बस पकड़ने के लिए आ रहे थे। रास्ते में लगभग 8 बजकर 30 मिनट पर दुर्घटना हो गई। पास के अस्पताल में डॉ भोलू सिंह ने लगभग 9 बजे दम तोड़ दिया। आज जब मृतक का शव मेजा स्थित घर पहुंचा तो माता उर्मिला सिंह बेहोश हो गई। पत्नी अमृता सिंह और बहन दहाड़ मारकर रोने लगी। उपस्थित महिलाओं ने तीनों को सहारा देकर कमरे में के गये। बता दे की मृतक डॉ भोलू सिंह का मेजा थाने के पास त्रिमूर्ति नाम से अस्पताल है और माता उर्मिला का रामलीला वाली गली में अनामिका चेरिटेबल नाम से क्लिनिक है। जो की क्षेत्र में डिलीवरी का नाम से फेमस है। मृतक की दो बेटियां अंशिका 4 वर्ष और सहस्त्रता 2 वर्ष है। मूल रूप से कोरांव थाना क्षेत्र के भगतपुर बड़ोखर गांव के निवासी है, लेकिन पिछले कई वर्षों से मेजा को हो ही अपनी जन्म भूमि और कर्म भूमि बना ली है। फिलहाल मृतक के परिवार और शुभचिंतको, व्यापार मंडल मेजा और ग्रामीणों को गहरा आघात पहुँचा है।

रोते बिलखते परिजन

बीएसएफ जवान ने रचाई कुंवारी लड़की से दूसरी शादी, हुआ रफूचक्कर

जालसाजी कर रचाई दूसरी शादी दुल्हन को छोड़कर हुआ फरार

विवाहिता ने लगाई उच्च अधिकारियों से न्याय की गुहार,पति हुआ फरार

रामसेवक प्रजापति

उतरांव। देश के लिए अपनी जान निछावर कर देने वाला जवान गद्दार निकल गया। हम अपनी भारतीय सेना पर बहुत ही गर्व करते हैं लेकिन देश का एक जवान गद्दार निकल गया। हम बात कर रहे हैं एक बीएसएफ जवान की जो अपनी जीवनसाथी के साथ गद्दारी कर रफूचक्कर हो गया। सराय ममरेज थाना क्षेत्र के शाहबपुर गांव निवासी हंसराज भारतीय जो बग्घी चलाकर अपने परिवार का भरण पोषण करता है। वह अपनी बेटी गीता देवी का विवाह 7 अगस्त 2016 में बेनीगंज थाना करेली निवासी बाबूलाल भारतीय के बेटे राजेश कुमार भारतीय से हिंदू रीति रिवाज से किया था। राजेश भारतीय जो एक बीएसएफ का जवान है। वही विवाहिता का आरोप है कि पति द्वारा पहले भी एक शादी किया गया था जिसकी पत्नी मर जाने के बाद विवाहिता गीता देवी के घर वालो को बिना बताए छुपाकर किया गया। फिर हाल बीएसएफ के जवान राजेश कुमार के साथ विवाहिता एक महीना थी उसके बाद वह अपनी ड्यूटी पर चला गया। आज तक उसका पता नहीं चला। वही फोन पर सम्पर्क न होने विवाहिता के घर वाले जब उसके घर कुछ दिन बाद पहुंचे तो पता चला कि बेनीगंज का मकान बेचकर वह परिवार के साथ फरार हो गया है। इतना सुनकर विवाहिता के परिवारजनों के कान खड़े हो गए। विवाहिता का संपर्क आज तक बीएसएफ के जवान और उनके घर वालों से नहीं हो सका। फिर हाल देश की रक्षा करने वाला जवान द्वारा एक विवाहिता के साथ धोखाधड़ी किया गया। जिस पर विवाहिता ने डीएम, एसएसपी, डीआईजी आईजी, महिला थाना, मुख्यमंत्री, करेली इंस्पेक्टर, सराय ममरेज इंस्पेक्टर समेत अन्य उच्च अधिकारियों को लिखित प्रार्थना पत्र देकर पति व उसके घर वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। आज तक आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई। जिससे विवाहिता को न्याय नहीं मिल सका। फिर भी वह न्याय का दरवाजा लगातार खटखटा रही है। अब देखना यह है कि योगी सरकार में इसे न्याय कब मिलेगा।

परिजनों संग न्याय की गुहार लगाती पीड़ित लड़की

बीएसएफ का जवान

रंगदारी के लिए रेलवे लाइन के काम में लगे मजदूरों पर पथराव

शंकरगढ़। शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के बेरूई ग्राम में रुपये की रंगदारी के लिए कुछ अराजक तत्वों ने मजदूरों पर पथराव किया और वहां पर काम करवा रहे लोगों को धमकाया। पथराव में प्रधानपति सहित आधा दर्जन लोग चोटिल हुए हैं। इस मामले की तहरीर शंकरगढ़ पुलिस को दी गई है। शंकरगढ़ पुलिस को दी गई तहरीर में कपारी ग्राम के प्रधानपति रामबाबू सहित कई अन्य लोगों ने बताया कि शंकरगढ़ क्षेत्र में अल्ट्राटेक सीमेंट कंपनी के लिए रेलवे लाइन बिछाई जा रही है, जिसमें तमाम मजदूर कार्य में लगे हुए हैं। कार्य के लिए डंपर, जेसीबी इत्यादि वाहन भी लगाए गए हैं। रविवार भोर में दो दर्जन लोग लाठी- डंडा से लैस होकर वहां पहुंचे और पथराव शुरू कर दिया। अचानक हुए पथराव से वहां भगदड़ मच गई, जिसमें कई लोग गिरने की वजह से भी चोटिल हो गए। इसके बाद लोगों ने डायल 112 पर सूचना दी। सूचना मिलते ही पेट्रोलिंग कर रही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस को आता देख हमलावर वहां से भाग निकले। इस वारदात के कुछ घंटे बाद एक बार फिर उन्हीं लोगों ने हमला बोल दिया। इस दौरान हुए पथराव में रामबाबू, भानु प्रताप सिंह, मुकुट मणि सिंह, सुरेश प्रजापति सहित आधा दर्जन लोग घायल हो गए।

घूरपुर थाने के पूर्व एसओ पर भ्रष्टाचार अधिनियम का केस दर्ज

घूरपुर। आय से अधिक संपत्ति मामले की जांच में आरोप सही पाए जाने पर घूरपुर थाने के पूर्व एसओ अरविंद कुमार त्रिवेदी पर भ्रष्टाचार अधिनियम का केस दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई मामले की जांच करने वाले भ्रष्टाचार निवारण संगठन के निरीक्षक की तहरीर पर घूरपुर पुलिस ने की है। कार्रवाई शनिवार को दिन भर चर्चा का विषय बनी रही। रिपोर्ट भ्रष्टाचार निवारण संगठन कानपुर इकाई के निरीक्षक बीएस दोहरे की तहरीर पर दर्ज की गई है। बताया जा रहा है कि 2017 में आरोपी एसओ के खिलाफ तत्कालीन अफसरों की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस मुख्यालय के अफसरों ने आरोपी एसओ के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति की जांच भ्रष्टाचार निवारण संगठन से कराने की संस्तुति की थी।

जिसमें एडीजी के अनुमोदन के बाद उन्हें मामले की जांच सौंपी गई। उपलब्ध साक्ष्यों के अवलोकन व जांच के क्रम में पूर्व एसओ पर लगे आय से अधिक संपत्ति के आरोप सही पाए गए। जिसके बाद उसके खिलाफ घूरपुर थाने में तहरीर दी गई। पुलिस ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। रिपोर्ट भेज दी गई है। मामले की विवेचना भ्रष्टाचार निवारण संगठन की ओर से नियुक्त विवेचक करेंगे।

ऑडियो वायरल होने के बाद हुआ था निलंबित

मूल रूप से रायबरेली का रहने वाला पूर्व एसओ अरविंद कुमार त्रिवेदी 2017 में करीब चार महीनों तक बतौर घूरपुर एसओ तैनात रहा। इसी दौरान तत्कालीन एसएसपी के दो स्टेनो व उसकी बातचीत का ऑडियो वायरल होने के बाद वह विवादों में घिर गया। जिसमें तीनों के बीच एक थाने में प्रभारी की तैनाती के लिए लेनदेन की बात सुनाई पड़ी थी। इस मामले में आरोपी पूर्व एसओ को निलंबित करने के बाद विजिलेंस जांच की संस्तुति की गई थी। आरोपी मौजूदा समय में बांदा जिले में तैनात है।

खाद्यान्न से महंगी हुई सब्जियां

करछना। इन दिनों सब्जियों के दामों में बेतहाशा वृद्धि हुई है। जिससे लोगों की थाली से सब्जियां गायब हो गई है। आटा और चावल से दोगुना तीन गुना रेट पर सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं। फुटकर सब्जियों के दाम में आलू 50रुपये किलोए प्याज 40रुपये किलो, लहसुन 200 रुपए किलो, नेनुआ 40 रुपए किलो, बैंगन 40, पालक 60रुपये किलो, सूरन 50 रुपये किलो, शिमला मिर्च 120 रुपए किलो, तक बढ़े हुए दामों में सब्जियां बिक रही हैं। इसी तरह अन्य सब्जियों के दामों में भारी इजाफा हुआ है जिससे लोगों के रसोईघर से सब्जियां गायब हो गई है। लाकडाउन के समय से ही सब्जियों के दामों में कयी गुना वृद्धि हुई है जिसमें सबसे ज्यादा आलू के दामों में अत्यधिक वृद्धि होने से गृहणियों के सामने सब्जियों की किस्मों में कमी करनी पड़ रही है क्यो कि ज्यादातर सब्जियों में आलू का इस्तेमाल होता है। लोगों का मानना है कि जब तक बाजार में नयी आलू की आवक नहीं हो जाती तब तक और भी आलू के दामों में वृद्धि जारी रहेगा।

शंकरगढ़ की जनसमस्याओं को लेकर प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

शंकरगढ़। नगर पंचायत शंकरगढ़ के महिला अस्पताल, स्टेडियम, पशु अस्पताल, मिनी आईटीआई अपने किस्मत पर आंसू बहा रहा है। कई सरकार आई और चली गई परंतु इस पर नहीं दिया गया ध्यान समाजसेवी ने पत्र के माध्यम से प्रधानमंत्री से लगाई गुहार। गौरतलब हो कि नगर पंचायत शंकरगढ़ में वर्षों पूर्व डॉ मुरली मनोहर जोशी के कार्यकाल में नगर पंचायत शंकरगढ़ में एक मिनी आईटीआई व स्टेडियम का निर्माण करवाया था। उस समय युवा वर्ग में इतना उत्साह था कि की खेलकूद के लिए वह आईटीआई के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा परंतु दोनों योजनाओं में ग्रहण से लग गया अधनिर्मित स्टेडियम आज भी खंडहर बन कर खड़ा है। उसी दरमियान नगर पंचायत शंकरगढ मे स्थित राजकीय बालिका इंटर कॉलेज प्रांगण में मिनी आईटीआई का भी निर्माण करवाया गया था वह पूर्णता वन की कंप्लीट हो गया परंतु आज तक उक्त मिनी आईटीआई में ना ही एडमिशन हुआ ना ही उसका संचालन हुआ जो कि अपने में एक सोचनीय विषय बनकर आज भी प्रश्नवाचक चिन्ह लगा रखा है। साथ ही साथ नगर पंचायत शंकरगढ़ में ही पशु अस्पताल जो कि जर्जर स्थिति में खड़ा हुआ है। कई दशक पूर्व राजकीय पशु अस्पताल का निर्माण करवाया गया था। परंतु आज खंडहरनुमा खड़ा हुआ है ।कब गिर जाए किसी को नहीं पता इसकी शिकायत पूर्व में भी पशु विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ-साथ स्थानीय विधायक वा सांसद से भी किया जा चुका है ।उसके बावजूद भी आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई । इसी तरह नगर पंचायत शंकरगढ़ में ही महिला अस्पताल बना हुआ है। परंतु इसमें व्यवस्था बिल्कुल शून्य है। कभी कदार महिला डॉक्टर बैठ जाती हैं और खानापूर्ति कर वापस चली जाती हैं ।इसके लिए भी कई बार स्थानीय लोगों ने सांसद सहित संबंधित विभाग के अधिकारियों तक लिखित शिकायत कर चुके हैं। उसके बावजूद भी कोई सुनने वाला नहीं है। शंकरगढ़ थाना परिसर के ठीक सामने जिला पंचायत की भूमि पर गरीबों के लिए आवास बनवाया गया था जो कि अब खंन्डर बन गया है ।परंतु लोग अवैध रूप से उस में आज भी कब्जा किए हुए हैं। जिस पर स्थानी समाजसेवी घनश्याम केसरवानी उर्फ राष्ट्रपति ने संबंधित अधिकारियों से गुहार लगाई है कि इन गरीब लोगों को नगर पंचायत स्थित डूडा कॉलोनी में स्थानांतरित किया जाए वह इस जमीन पर स्थाई बस स्टैंड बनाया जाए जिससे कई घरों की रोजी रोटी चल सके और क्षेत्रीय लोगों का विकास हो सके जिसको लेकर घनश्याम केसरवानी ने माननीय प्रधानमंत्री भारत सरकार को लिखित शिकायत ऑनलाइन किया है।

निजीकरण और न्यू पेंशन स्कीम के विरुद्ध अनवरत संघर्ष का संकल्प

न्यू पेंशन स्कीम और निजीकरण के विरुद्ध संघर्ष आजादी की दूसरी लड़ाई है : दिनेश सिंह

शंकरगढ़। पुरानी पेंशन बहाली राष्ट्रीय आंदोलन (एन०एम० ओ०पी०एस०) तथा अटेवा - पेंशन बचाओ मंच, उत्तर प्रदेश के आवाहन पर ब्रजेश सिंह के मार्गदर्शन में तथा दिनेश सिंह ब्लॉक शंकरगढ़ संयोजक के नेतृत्व में अटेवा शंकरगढ़ के पदाधिकारियों, सक्रिय कार्यकर्ताओं, शिक्षकों, कर्मचारियों तथा शिक्षित बेरोजगारों के द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर तथा पुष्पार्पण कर सभी ने गांधी जयन्ती के शुभ अवसर पर संकल्प लिया कि जब तक पुरानी पेंशन बहाल नहीं हो जाती तथा सभी सरकारी संस्थानों से निजी करण पूरी तरह खत्म नहीं हो जाता तब तक हम संघर्ष जारी रखेंगे ।

इस अवसर पर बृजेश सिंह ने कहा कि निजीकरण व न्यू पेंशन स्कीम इस देश के निम्न व मध्यम वर्ग के खिलाफ पूंजीपतियों का सुनियोजित षड्यंत्र है तथा शोषण का एक बहुत बड़ा तंत्र है । निजीकरण ईस्ट इण्डिया कम्पनी का ही एक स्वरूप है । समय-समय पर एन०एम० ओ०पी०एस० / अटेवा इन शोषणकारी व्यवस्थाओं के विरुद्ध विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से अपना विरोध जताता रहा है तथा आगे भी संघर्ष तब तक जारी रखेगा जब तक पुरानी पेंशन बहाल नहीं हो जाती तथा सरकारी संस्थानों में पूरी तरह से निजीकरण पर रोंक नहीं लग जाती । ब्लॉक शंकरगढ़ अध्यक्ष दिनेश सिंह ने कहा कि न्यू पेंशन स्कीम और निजी करण के विरुद्ध संघर्ष आजादी की दूसरी लड़ाई है । जिस प्रकार महात्मा गांधी सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलकर अंग्रेजों की गुलामी से हमारे देश को आजाद कराया ठीक उसी प्रकार हम भी सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलकर जब तक पुरानी पेंशन बहाल नहीं हो जाती तथा सरकारी संस्थानों के निजीकरण पर पूरी तरह पाबन्दी नहीं लग जाती तब तक अनवरत संघर्ष जारी रखने का संकल्प लेता हूं ।कार्यक्रम के अंत मनीष सिंह द्वारा सभी संकल्प धारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया । इस संकल्प दिवस में मुख्य रूप से चंदपाल जी, आशुतोष मिश्रा, राकेश कुमार सिंह, लाल बहादुर सिंह, गुलाब सिंह, मनीष सिंह, सुनील सिंह, अजीत सिंह, आजाद बाबू, शेष प्रताप सिंह, अमर बहादुर सिंह, धर्मेंद्र सिंह, बृजेश सिंह, पुष्पराज सिंह, अनीश खान, आदि लोगों ने संकल्प लिया।

निजीकरण और न्यू पेंशन स्कीम के विरुद्ध संघर्षरत लोग

प्रयागराज हलचल

संक्षेप समाचार

सीएम आज करेंगे दो सौ बेड के कोविड हॉस्पिटल का उद्घाटन

प्रयागराज। प्रयागराज के लिए एक अच्छी खबर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को एसआरएन में दो सौ बेड वाले कोविड अस्पताल का ऑनलाइन उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में कोबास लैब की भी शुरूआत करेंगे। प्राचार्य डॉ. एसपी सिंह के अनुसार, लंबे इंतजार के बाद शुरू हो रही सुविधा से कोरोना की रोकथाम में बड़ी मदद मिलेगी। कोबास से एक दिन में 15 सौ कोविड जांच की जा सकेगी। वर्तमान में अलग-अलग तकनीक से कॉलेज में करीब दो हजार जांच की जा रही हैं। वहीं दो सौ बेड के कोविड अस्पताल से मरीजों को भी काफी आसानी होगी।

बीएलओ की लापरवाही पंचायत चुनाव में मतदाताओं पर पड़ेगी भारी

प्रयागराज। लोकसभा के चुनाव की तरह पंचायत चुनाव में भी बीएलओ की लापरवाही से मतदाताओं को मतदान के लिए परेशान होना पड़ेगा। पंचायत चुनाव के लिए मतदाता सूची में नाम बढ़वाने की प्रक्रिया शुरू है। इस काम के लिए आंगनबाड़ी की कार्यकत्रियों को बीएलओ बनाया गया है, लेकिन बीएलओ का काम इनके परिजन करते दिख रहे हैं। किसी का बेटा तो किसी का पति रजिस्टर लेकर लोगों के घर पहुंच रहे हैं। मतदाता सूची तैयार करने के लिए बीएलओ को घर-घर जाकर लोगों से सम्पर्क करना है। इस दौरान अगर कोई नया मतदाता बनाना है तो उसके आधार की फोटोकापी और फोटो लेकर फार्म भी भरना है। लेकिन बीएलओ के पति व पुत्र गांव के पांच छह लोगों के यहां ही बैठकर सूची तैयार कर रहे हैं। ऐसे में कई लोगों का नाम भी नहीं जुड़ पाएगा। जिला कार्यक्रम अधिकारी मनोज कुमार राव ने कहा कि बीएलओ के स्थान पर अगर उनका कोई परिजन काम करेगा और जांच के दौरान सही पाए जाने पर बीएलओ के खिलाफ क सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व ब्लाक प्रमुख दिलीप मिश्रा के अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर

कई थानों की पुलिस फोर्स व पीडीए विभाग की टीम समेत आला अफसर रहे मौजूद

मसिका मोड़ के निकट बने तीन मंजिला लाज को ध्वस्त करने की कार्यवाई करता प्रशासन व पीडीए का बुल्डोजर

दिलीप मिश्रा के अवैध निर्माणों पर कार्रवाई शुरू

नैनी। बाहुबली पूर्व सांसद अतीक अहमद और उससे जुड़ी गैंग के लोगों की संपत्ति को कुर्क करने एवं अवैध निर्माण ध्वस्त करने की प्रक्रिया अभी चल ही रही थी कि रविवार को प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने यमुनापार के विकासखंड चाका के पूर्व ब्लाक प्रमुख एवं कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी पर हुए रिमोट बम के हमले के आरोपी दिलीप मिश्रा की कुर्क की गई संपत्तियों पर बने अवैध निर्माण के ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। क्षेत्र में डेयरी तिराहे के समीप मसिका मोड़ के निकट बने तीन मंजिला लाज को ध्वस्त करने का काम पुलिस प्रशासन और पीडीए की ओर से शुरू किया गया है।

दो माह पूर्व खान मुबारक का शार्प शूटर नीरज सिंह की हुई थी गिरफ्तारी

नैनी। औद्योगिक क्षेत्र स्थित लवायन कला गांव निवासी पूर्व ब्लाक प्रमुख चाका दिलीप मिश्रा फिलहाल फतेहगढ़ जेल में बंद है। उन पर खान मुबारक के खास शूटर और सुल्तानपुर से दोहरे हत्याकांड में आरोपी नीरज सिंह उर्फ अखंड प्रताप सिंह को अपने बेटे शुभम मिश्रा के कॉलेज माया देवी स्मारक महाविद्यालय पूरा पांडेय औद्योगिक क्षेत्र में छिपा कर रखने का आरोप है। उनके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट की भी कार्यवाही की गई है। पुलिस ने करीब दो महीने पहले दिलीप मिश्रा के बेटे के कॉलेज में शूटर नीरज सिंह को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार करने का दावा किया था। उस दौरान दिलीप मिश्रा का बेटा शुभम मिश्रा भी नीरज सिंह के साथ गिरफ्तार हुआ था। दिलीप मिश्रा मौके से फरार हो गए थे। जिनकी दो दिन बाद हंडिया इलाके से गिरफ्तारी हुई थी।

दिलीप मिश्रा पर चार दर्जन से अधिक आपराधिक मुकदमों हैं दर्ज

नैनी। बीते 12 जुलाई 2010 को प्रयागराज के कोतवाली अंतर्गत बहादुरगंज में कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी पर हुए रिमोट बम के हमले में आरोपी दिलीप मिश्रा पर चार दर्जन से अधिक आपराधिक मुकदमें पंजीकृत है। जिनमें हत्या, अपहरण, जानलेवा हमले, रंगदारी, भूमि कब्जा समेत कई मामले शामिल हैं। हालांकि परिजनों का दावा है कि इनमें से अधिकांश मामले खत्म हो चुके हैं।

फतेहगढ़ जेल में बंद है दिलीप मिश्रा

नैनी। खान मुबारक के शार्प शूटर नीरज सिंह को शरण देने के बाद गैंगस्टर एक्ट के तहत पिछले दिनों प्रशासन ने दिलीप मिश्रा के माया देवी स्मारक कॉलेज समेत कुल 12 संपत्तियों को सील किया था। उन्हीं में से एक औद्योगिक क्षेत्र के डेयरी तिराहे के समीप तीन मंजिला लाज भी था। प्रयागराज विकास प्राधिकरण का दावा है कि यह लाज बिना नक्शे के बना है जबकि प्रशासन के मुताबिक करीब दो करोड़ की कीमत के इस लाज को दिलीप मिश्रा ने अवैध तरीके से अर्जित की गई संपत्ति से बनवाया है। इसलिए इसका ध्वस्तीकरण कराया जा रहा है। अभी उनके कॉलेज को भी गिराने की प्रक्रिया की जानी है। सूत्रों के मुताबिक ध्वस्त लाज की कीमत लगभग दस करोड़ रुपए के ऊपर बताया जाता है। एएसपी सोमेंद्र मीणा ने बताया कि जो भी अवैध निर्माण है, सभी का ध्वस्त कराया जाएगा। रविवार को दिलीप मिश्रा के अवैध संपत्ति से अर्जित किए गए तीन मंजिले लाज को ध्वस्त कराया जा रहा है।

लॉज को गिराने में टूटी तीन जेसीबी की ड्रिल मशीनें

नैनी। रविवार सुबह लगभग 11:30 बजे जिला प्रशासन व संबंधित विभाग पीडीए की टीम जेसीबी लेकर दिलीप मिश्रा के लाज को गिराने के लिए पहुंची और कार्रवाई शुरू की। बताया जाता है कि लाज इतना मजबूत बना हुआ है कि तीन जेसीबी मशीनों की कंप्रेसर्स, ड्रिल मशीने टूट गई। पिलर और छत में लगी मोटी-मोटी सरिया तोड़ने में दिक्कत आ रही है।

विद्युत करेंट से चार मवेशियों की मौत, एक की हालत नाजुक

जर्जर बिजली का तार गिरने से मृत मवेशी

प्रयागराज। माण्डा क्षेत्र के चिलबिला गाँव में रविवार की भोर में बिजली का तार मवेशियों के उपर गिर गया जिससे चार की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक मवेसी कि हालात गम्भीर बताई जा रही है। दिघिया चौकी क्षेत्र के चिलबिला अहिरान इलाके में रविवार की भोर तकरीबन 3 बजे के आसपास ऊपर से गुजरा जर्जर ग्यारह हजार बोल्टेज का तार टूटकर नीचे मवेशियों के ऊपर जा गिरा जिससे चार मवेशियों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। सुबह परिजन मवेशियों को चारा देने गए तो नजारा देख होश उड़ गए और इलाके में अफरा तफरी मच गई।

सूचना पर दिघिया चौकी प्रभारी नवीन कुमार सिंह दलबल सहित घटनास्थल पहुच कर जायजा लिये। सूत्रों के मुताबिक बताया जा रहा है कि उक्त गाँव निवासी चन्द्रबली यादव की एक दुधारू भैंस, मोहनलाल यादव की एक गाय व एक भैंस, सूर्यबली की एक भैंस समेत चार मवेशियों की मौत व रमाशंकर यादव की एक गाय की हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है। पीड़ित पशु पालकों का आरोप है कि जर्जर तार को बदलने के लिए स्थानीय कर्मचारियों से कई बार शिकायत की गई,लेकिन कोई सुनवाई नही हुई,जिसका खामियाजा मवेशियों को जान गवानी पड़ी। वही बिजली विभाग के अधिकारियों सहित कर्मचारियों के प्रति ग्रामीणों में आक्रोस व्याप्त है।

कांग्रेसियों ने हाथरस डीएम को निलंबित करने को लेकर सौंपा ज्ञापन

धरने पर बैठे कांग्रेसी कार्यकर्ता

ज्ञापन सौंपते गंगापार जिलाध्यक्ष राम किशुन सिंह पटेल

प्रयागराज। कांग्रेस पार्टी के कार्यकताओं ने हाथरस डीएम के निलंबन को लेकर अपने आवाजें बुलंद की। रविवार को गंगापार जिला अध्यक्ष रामकिशुन सिंह सिंह पटेल के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता डीएम कार्यालय के पास बैठ गए। हाथरस की बिटिया को न्याय दिलाने में लापरवाही करने तथा साक्ष्य मिटाने के मामले को लेकर कांग्रेसी कार्यकर्ता हाथरस डीएम के निलंबन को लेकर आवाजें बुलंद की। डीएम आवास कार्यालय के पास सरकार विरोधी गगनभेदी नारे लगाने लगे। लगभग 1 घंटे तक कांग्रेसियों का जमावड़ा लगा रहा इसके पश्चात कांग्रेसियों ने डीएम के माध्यम से महामहिम राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा। गंगा पार जिला अध्यक्ष रामकिशन सिंह पटेल ने बताया कि निलंबन की मांग को जिला, शहर कांग्रेस कमेटी की ओर से हाथरस के पीड़ित परिवार को धमकाने वाले जिलाधिकारी को निलंबित करने और दंडित करने की मांग को लेकर जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन कर एडीएम सिटी को ज्ञापन सौंप गया है। हाथरस की बिटिया के साथ जितने भी अधिकारी तथा पुलिस विभाग के अधिकारियों ने साक्ष्य छिपाने तथा धमकाने का काम किया है उन सभी को निलंबित किया जाए तथा बिटिया को न्याय मिले। धरना प्रदर्शन में सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता शामिल रहे।

धरना प्रदर्शन में राम किशुन सिंह पटेल अध्यक्ष गंगाार, अरूण तिवारी अध्यक्ष यमुनापार, दीप चन्द्र तिवारी, राजेश, राकेश, अल्पना निषाद, जावेद उर्फ सिपतैन, मकसूद रिजवी, अनिल कुशवाहा, अनिल पाण्डेय, इस्तियाक अहमद, परवेज ताहिर, राकेश पटेल, कामेश्वर सोनकर इत्यादि लोग शामिल रहे।

देश में बेटियां सुरक्षित नही हैं : मनीष मिश्रा, पूर्व महासचिव

प्रयागराज। हाथरस में मनीषा बहुजन के बलात्कार व मार-पीट कर रीढ़ की हड्डी तोड़ने जैसी अमानवीय घटना व मनीषा की मौत ने पूरे देश को हिला कर रख दिया। मनीष मिश्रा, पूर्व महासचिव, उत्तर प्रदेश कांग्रेस पार्टी ने इस बात की घोर निंदा करते हुए कहा कि योगी सरकार अपराधियों पर लगाम लगाने में नाकाम हो गयी है। हमारे समाज मे अब बेटियां सुरक्षित नही है। इस तरह की घटना आये दिन हो रही है सरकार जब बेटियों की सुरक्षा नही कर सकती तो ऐसी सरकार को इस्तीफा दे देना चाहिए। देशभर में बिटिया को न्याय को लेकर धरना प्रदर्शन हो रहा है। जिस प्रकार से बड़े से लेकर छोटे अधिकारियों तक इस कार्य में लापरवाही बरती गई। यह सरकार की तानाशाही रवैया को दशार्ती है। आखिर अधिकारी किस बात के सबूत को मिटाना चाहते थे कि वहां मीडिया कर्मियों को भी जाने से रोका गया। राहुल प्रियंका जी को रोका गया लाठियां बरसाई गई। यह विभाग का घिनौना चेहरा आम जनमानस के सामने आ चुका है। अब वक्त आ गया है समाज को सबक सिखाने का। सड़क की जनता सब कुछ जानती है भारतीय जनता पार्टी को आगामी विधानसभा चुनाव में जनता इसका मुंहतोड़ जवाब देगी।

अखण्ड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम कियायोग आश्रम एवं अनुसंधान सस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम

पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं0: UPHIN2001/9025

आगामी माघ मेले की तैयारी को लेकर मेलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

मेलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते

प्रयागराज। आगामी माघ मेला में संस्थाओं द्वारा पूर्ण रूप से गत वर्ष की भांति बसाने एवं कोविड 19 की गाइडलाइन के आधार पर बगैर संस्थाओं की संख्या मे कटौती न कर बसाने की मांग त्रिवेणी संस्था कल्याण महासमिति के पदाधिकारियों ने की है।

समिति के महामंत्री राजेन्द्र पालीवाल ने बताया कि रविवार को त्रिवेणी बांध स्थित मेला कार्यालय पर मेलाधिकारी रजनीश मिश्र को आगामी माघ मेला जो कोरोना महामारी से बचाव के साथ मेला बसाने की घोषणा पर त्रिवेणी संस्था कल्याण महासमिति के पदाधिकारियों ने ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई है कि माघ मेला 2020-21 का आयोजन होने हेतु मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री की ओर से कल्पवास व अनुष्ठान हेतु मेला बसाने को कहा गया है। श्री पालीवाल ने बताया कि आगामी माघ मेला को लेकर लगातार यह बातें सामने आ रही हैं कि साधु, संत, व कल्पवासी हेतु मेला बसाया जायेगा। जबकि वहीं मेले के प्रमुख अंग सदैव से दण्डी बाड़ा, खाक चैक, आचार्य बाड़ा, तीर्थ पुरोहित व संस्थायें होती थी और यही आज तक का क्रम भी रहा है। किन्तु वर्तमान मे कोरोना महामारी के कारण अनेकों भ्रामक खबरें व चर्चा है। जबकि कुछ संस्थाओं के अन्तर्गत अनेकों महत्वपूर्ण संत, महात्मा, धमार्चार्य, सामाजिक, धार्मिक संस्थाएं भी प्रत्येक वर्ष आती है तथा अनेकों प्रकार के धार्मिक अनुष्ठान, अनुसंधान आदि भी होते है और यह संस्थाए करती है, जो परम्परागत है। इनमें भी ऐसे आयोजन होते हैं जिनको खण्डित नहीं किया जा सकता है।

माघ मेला बसाने की व्यवस्था होती है तो गत वर्ष की भांति ही बसाया जाये और यदि इस हेतु आवश्यक है तो कोरोना महामारी को देखते हुए पूर्व वर्ष में प्रत्येक संस्था या सभी जो मेले की व्यवस्था के प्रमुख अंग है, उन्हें अभिलेखों के अनुसार पूर्व की आवंटित भूमि व सुविधा को दोगुना कर पान्टून पुल पांच के स्थान पर आठ बनाकर भूमि को और बढ़ाकर आपस में दूरी का पूरा ध्यान कर बसाने की तैयारी की जाये। ज्ञापन देने वालों में फूल चंद्र दुबे, राजेंद्र पालीवाल, जितेन्द्र गौड़, सुनील बाजपेयी, वी.पी शुक्ला, प्रकाश चंद्र दुबे आदि मौजूद रहे।

वेंडिंग जोन के लिए 26,200 पटरी दुकानदार चिह्नित

प्रयागराज। नगर निगम सदन हाल में नगर आयुक्त रवि रंजन की अध्यक्षता में टाउन वेंडिंग कमेटी की बैठक हुई। शहरी पथ विक्रेताओं के लिए स्थलीय सर्वे में पाए गए उपयुक्त वेंडिंग स्थलों, प्रस्तावित वेंडिग जोन, नए सर्वेक्षित शहरी पथ विक्रेताओं के बारे में चर्चा हुई। 28 वेंडिंग एवं 19 नान वेंडिंग जोन के प्रस्ताव पर सहमति जताते हुए इसे अमल में लाने को कहा गया। पीओ डूडा वर्तिका सिंह ने बताया कि 26,200 पटरी दुकानदार चिह्नित हो चुके हैं जिनका सत्यापन कर पंजीकरण किया जाएगा। इन्हें जल्द से जल्द वेंडिग जोन में जगह आवंटित की जाएगी। वहीं, टाउन वेंडिग कमेटी के सदस्य रविशंकर द्विवेदी ने पथ विक्रेता अधिनियम के तहत पथ विक्रेताओं का योजना प्लान सदन में प्रस्तुत करने, पूर्व में टीवीसी की ओर से 25 वेंडिंग जोन चिह्नित किए गए, जिसमें 18 की डीआईपी (वेंडिंग प्लान) पहले प्रस्तुत करने समेत सवाल उठाए। बैठक में पार्षद कुसुम लता गुप्ता, राजेन्द्र पालीवाल, जोनल अधिकारी संजय ममगाई, रवीन्द्र कुमार, मयंक यादव, रजेन्दू कुमार, ओम प्रकाश, मदन मोहन, पर्यावरण अधिकारी पीडीए, ट्रैफिक, पीडब्लूडी, वन विभाग, बैंकर्स, व्यापारी संगठन, टीवीसी सदस्य विमल गुप्ता, मुकेश सोनकर, विगुन तिवारी आदि मौजूद रहे।

25 अक्तूबर से रायपुर के लिए विमान सेवा

प्रयागराज। निजी एयरलाइंस कंपनी इंडिगो 25 अक्तूबर से प्रयागराज-रायपुर की फ्लाइट दोबारा शुरू करने की तैयारी में है। फ्लाइट के टिकट बिकने लगे हैं। एयरलाइंस 25 अक्तूबर से कई और उड़ान शुरू करने की योजना बना रहा है लेकिन तारीख घोषित नहीं की है। प्रयागराज-रायपुर फ्लाइट 25 मार्च से बंद है। यात्रियों की कमी के कारण फ्लाइट शुरू नहीं हो रही थी। अगले सप्ताह प्रयागराज से नई दिल्ली जाने के लिए एक और ट्रेन की शुरूआत हो सकती है। भुवनेश्वर और नई दिल्ली के बीच ट्रेन संचालन शुरू करने की मौखिक जानकारी प्रयागराज मंडल को मिली है। इस बीच प्रयागराज संगम से गंगा गोमती और सरयू एक्सप्रेस शुरू करने पर अंतिम फैसला नहीं लिया जा सका। प्रयागराज संगम और प्रयाग स्टेशन पर शाम तक उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल से दोनों ट्रेन संचालन को लेकर आदेश का इंतजार होता रहा। प्रयागराज जंक्शन से छह महीने बाद प्रयागराज-लोकमान्य तिलक टर्मिनस दूरंतो स्पेशल रवाना हुई।

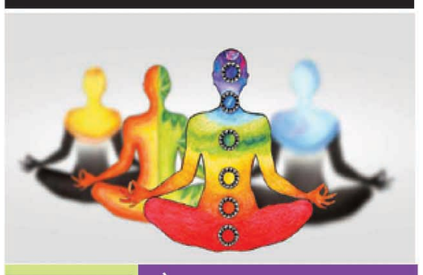

प्रयागराज सोमवार, 5 अक्टूबर, 2020

क्रियायोग सन्देश

पद के लिए संघर्ष राष्ट्रहित के विपरीत : स्वामी श्री योगी सत्यम

झूंसी प्रयागराज। आज के समय में आवश्यकता है हम सत् मार्ग का अनुसरण करें। पैगम्बर जिस मार्ग पर चले हैं, उसी मार्ग पर चलना सत् मार्ग का अनुसरण करना है। आज हमारे देश में लोग पद व धन के लिए लड़ते हैं। जिस धरती पर भगवान श्री राम, योगेश्वर श्रीकृष्ण, संत कबीर, नानक देव, प्रभु ईसा, प्रभु मूसा, पैगम्बर महात्मा गाँधी आदि महान विभूतियों ने कभी भी पद व धन के लिए संघर्ष नहीं किया। वहीं पर जो लोग जो पद व धन पाने के लिए लड़ते रहते हैं और एक-दूसरे को मिटाने के लिए प्रयत्नशील रहते हैं। यह परम्परा भारतीयता के विपरीत है। राष्ट्रहित के लिए यह आवश्यक है कि हम पद व धन के लिए मारामारी न करके सच्चे सेवाभाव का विस्तार करें। यह तभी संभव है जब व्यक्ति क्रियायोग ध्यान से जुड़ जायें।

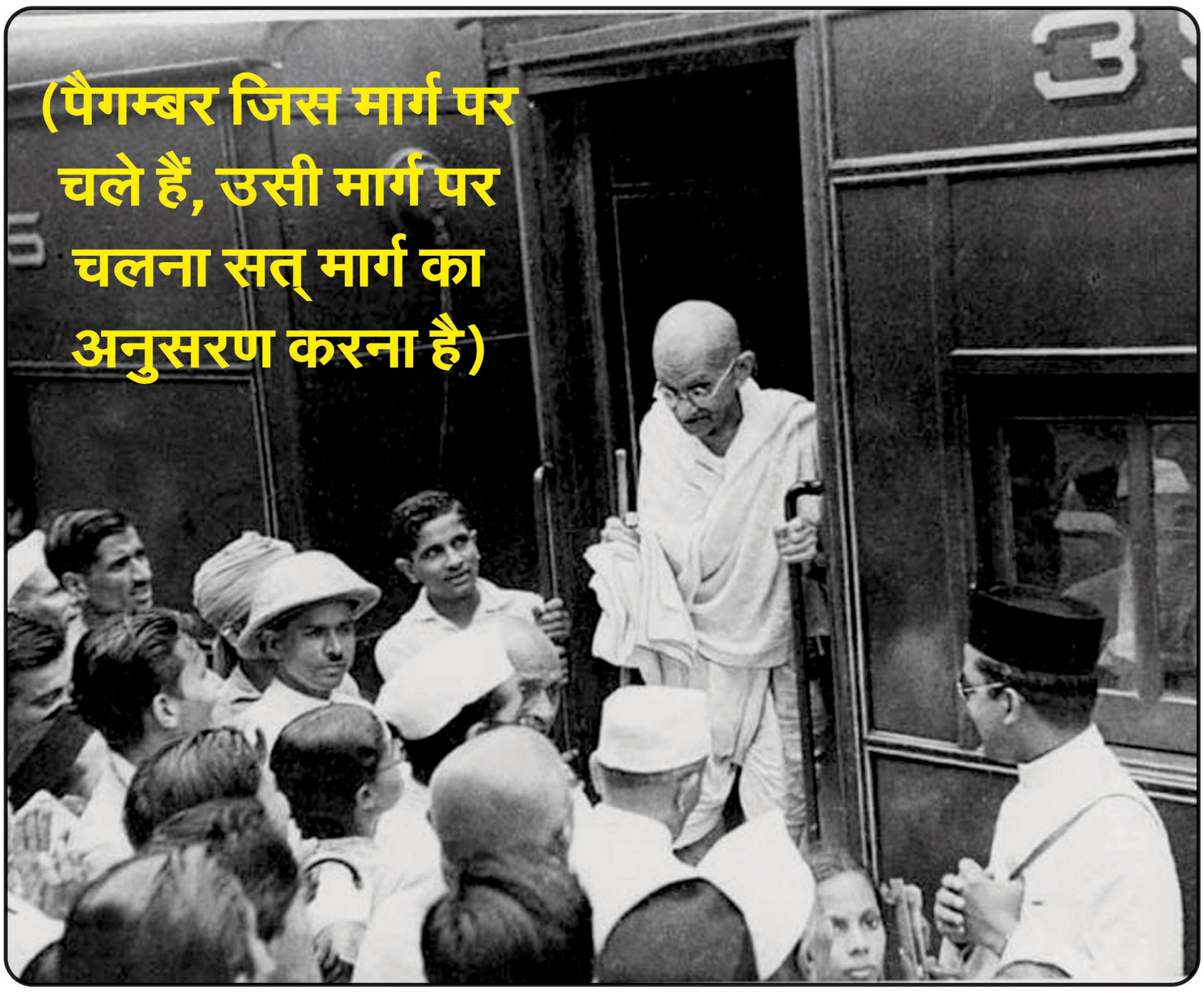

(पैगम्बर जिस मार्ग पर चले हैं, उसी मार्ग पर चलना सत् मार्ग का अनुसरण करना है)

QUALITY OF A TRUE LEADER

True leader is a humble servant of all citizens, charged with principle and philosophy of knowledge, peace and joy-giving ideas, thoughts, and concepts. Any person who is behind money and post cannot be a true leader of the nation. Practically, it is proved that a devoted Kriyayoga Meditator serves human beings and all creations of the nation as a humble servant and is never behind money and post.

A leader who is behind post and money always creates an atmosphere of criminal activities in the name of economic growth which is in actual fact, corrupt economic growth; thus, dividing humanity in the name of religion and always spreading rumours to divide family and society. Through these inhuman and criminal activities, the so-called leaders create a fellowship of their own kind, working to strengthen the power of divide and rule.

A leader should have spiritual love for all where there is no existence of idea, thought and concept of relativity behind any work performed. A leader is able to distribute all things to all persons according to their real need which awakens hidden power, knowledge and peace within their existence. In order to understand the lifestyle of a true leader, one should concentrate on visible existence of Self (head to toes). Observe the behaviour of mouth. The mouth eats all food which is distributed to all parts of body without discrimination. Exactly in the same way, a leader should work for the public and nation.

(Kriyayoga Practice Brings Awakening of True Leadership)